पड़ताल पर्यवेक्षक और डा. टीम ने किया निरीक्षण, परासिया सहित तामिया अंचल के अस्पताल पहुंचे अधिकारी

केन्द्रीय चिकित्सक दल ने लिया जायजा

DAINIK BHASKAR, CHINDWADA 07/11/09

भास्कर न्यूज | परासिया

जिले के परासिया और तामिया ब्लाक में स्वास्थ्य सुविधाओं में सामुदायिक सहभागिता कम है। हर कार्य के लिए लोग सरकार की ओर देखते है। इसमें जनजागृति बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें जन जागृति बढ़ाने की आवश्यकता है। हालांकि ग्रामीण स्वास्थ्य विभाग से भेजी जा रही राशि का निचले स्तर पर उपयोग हो रहा है। केन्द्र से आए पर्यवेक्षक और भोपाल से आई डाक्टर्स की टीम ने परासिया ब्लाक के चांदामेटा अस्पताल के दौरे पर ये बात कही।

पर्यवेक्षक और डाक्टर्स की टीम गुरुवार को तामिया ब्लाक पहुंचीं थी। शुक्रवार को उक्त टीम ने तामिया ब्लाक के लहगुढ़आ उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। दोपहर बाद उन्हें परासिया के सिविल हास्पिटल का निरीक्षण किया। यहां पानी की समस्या पर बीएमओ डा. एनएस के बेलिया ने पाईप लाइन बार-बार चोरी होने की स्थिति से अवगत कराया। आला अधिकारियों के दौरा कार्यक्रम से अस्पताल में लंबे समय बाद साफ-सफाई नजर आई। सीएमओ ने उचित कार्रवाई का आवश्वासन दिया है। तामिया ब्लाक में सरकारी अस्पताल की दवाईयां गटर में छिपाने और नदी में फेंकने की स्थिति से उक्त दल को अवगत कराया गया। सीएमओ ने बताया कि मामले से संबंधित अधिकारियों को हटाया गया है। मामले की जांच अभी जारी है। अस्पताल में डिलेवरी करवाने वाली दवाईयों को हटाने का मामला भी इस समय सामने आया। दाई संध्या इंगले, सुनीता इंग्ले, नीलू इंग्ले और सुशीला इंग्ले ने अपनी व्यथा दशा सुनाकर उन्हें पुनः सेवा में रखने गुहार लगाई। मप्र में लगभग 42 हजार दाईयों को शासन ने हटा दिया है। अधिकारियों का कहना था कि प्रशिक्षित दाई होने के बावजूद जिन महिलाओं में शैक्षणिक योग्यता नहीं है। उन्हें सेवा में नहीं रखा जाएगा। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की टीम ने इससे पहले तामिया अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल का रंग रौगल और विशेष साफ-सफाई की गई। स्वास्थ्य स्टाफ ड्रेस कोट को अपनाए रहा। टीम ने अस्पताल का स्टाफ रुम प्रशाधन और मरीज भर्ती वार्ड का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के पर्यवेक्षक डा. ए.एन. मित्तल, डा. सुब्रमण्यम, डा. नारायण, डा. राजेश, डा. अनीता, डा. एंथोनी, भोपाल के डा. सौरभ, डा. आनंद, डा. मोना गुप्ता, डा. परवीन, छिंदवाड़ा सीएमओ डा. जीसी चौरसिया, बरासिया बीएमओ डा. एनएसके बेलिया तामिया बीएमओ, डा. अशोक भगत निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

परेशान होते रहे मरीजों के परिजन

छिंदवाड़ा| दिल्ली से आने वाली टीम के इंतजार में जिला अस्पताल के गेट दोपहर से ही बंद कर दिए गए थे। जिसके कारण मरीजों के परिजन परेशान होते रहे। भोजन या दवा लेने के लिए बाहर निकले लोगों के लिए भी गेट नहीं खुला। विभागीय अधिकारी भी उनकी परेशानियों को देख चिंतित नजर आए। दिल्ली की टीम दोपहर करीब ढाई बजे पहुंचने वाली थी, लेकिन टीम का पूरा दिन तामिया, चांदामेटा अस्पताल के निरीक्षण में ही गुजर गया। इधर जिला अस्पताल में टीम के आने की तैयारियां सुबह से जोर-शोर से शुरु हो गई थी। कलेक्टर निकुंज श्रीवास्तव ने स्वयं अस्पताल का निरीक्षण किया। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे से अस्पताल के गेट बंद कर दिए गए, जो शाम पांच बजे तक नहीं खुल पाए। रामटेक से आई कलाबाई ने बताया कि अस्पताल में भर्ती उसके पति को स्लाइन लगी है, उसकी देखभाल के लिए कोई नहीं है, लेकिन उसे अंदर नहीं जाने दिया गया। चौरई की उमा डेहरिया पानी और खाना लेकर बाहर ही खड़ी रही। उसने बताया कि उसके पिता आईसीसीयू वार्ड में भर्ती है और सीरियस है, लेकिन उनसे मिलने नहीं दिया गया।